लखनऊ

बाल कल्याण पुलिस अधिकारी ने बचाया बचपन

दिनांकः 16 जून 2018

स्थानः चारबाग रेलवे स्टेशन के निकट

थाना : आलमबाग, लखनऊ

बाल कल्याण पुलिस अधिकारीः उमा शर्मा (उप निरीक्षक)

उपनिरीक्षक उमा शर्मा जो कि वर्तमान में वीमेन पावर लाइन 1090 में कार्यरत हैं, उन्होने बताया कि जब वे बाल कल्याण पुलिस अधिकारी के रूप में आलमबाग थाने में थीं तो उन्हें एक नवजात बच्ची के बारे में पता चला जिसे कोई कूड़े के ढेर में फेंक कर चला गया था, एक कूड़ा बीनने वाली लड़की द्वारा उस नवजात को देखा गया जो उसको अपने साथ बस्ती में लेकर चली गई जहां से 100 न. पर पुलिस को सूचना दी गई। क्षेत्र के थाने से बाल कल्याण पुलिस अधिकारी उमा शर्मा मौके पर गईं व बच्ची को अपनी अभिरक्षा में लिया गया। बस्ती से कुछ लोग पुलिस पर दबाव बना रहे थे कि बच्ची को बस्ती के ही एक परिवार को सुपुर्द कर दिया जाये। बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा उनको कानूनी जिम्मेदारियां बताईं व नियमतः बच्ची को गोद लेने की प्रक्रिया बताई। बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा विशेष किशोर पुलिस इकाई, लखनऊ व चाइल्ड लाइन की सहायता से उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराकर उसका इलाज कराया गया। बाल कल्याण समिति को सूचना दी गई व बच्ची के स्वस्थ होने पर उसे शहर में स्थित लीलावती बाल गृह में दाखिला दिलवाया गया। जहां बालिका अब स्वस्थ है।

आपरेशन मुस्कानः—

प्रदेश में गुमशुदा बच्चों को खोजने हेतु पुलिस महानिदेशक एवं महिला सम्मान प्रकोष्ठ के निर्देशन में आपरेशन मुस्कान को दिनांक 18 जून 2018 से इस बार दो माह के लिए लगातार चलाया गया। जिसके अंतर्गत एटा जनपद द्वारा सराहनीय कार्य किये गये। यह अभियान दो माह के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में दिनांक 18.06.2018 से 18.08.2018 तक चलाया गया, जिसके अर्न्तगत गुमशुदा, लावारिस, बेघर बच्चों को खोजकर उनके परिवार जनों तक पहुंचाने में सहायता की गई। उक्त अभियान के तहत 2119 बच्चे बरामद किये गये, जिसमें 1157 बालक 962 बालिका हैं। 340 बालक तथा 279 बालिका को बाल कल्याण समिति को सुपुर्द किया गया है एवं शेष बच्चों को उनके माता पिता को सुपुर्द किया गया है।

एटा

वापस आया अरविंद

दिनांकः 07 अगस्त 2018

थाना : नयागांव, एटा

इसी के अंतर्गत थाना नयागांव, जनपद एटा को अपने क्षेत्र से बाबी उर्फ अरविंद के गायब होने की सूचना मिली, सर्वप्रथम एफआईआर दर्ज की गई व थाने में तैनात प्रभारी श्री चमन गोस्वामी द्वारा बाल कल्याण पुलिस अधिकारी महेन्द्र सिंह के साथ कांस्टेबल कृषि स्वरूप को मौके पर जांच पड़ताल हेतु भेजा गया। बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा बताया गया कि अरविंद स्कूल में देर से पहुंचने से हुई पिटाई से नाराज था व स्कूल नहीं जाना चाहता था। घर वाले उसको स्कूल भेजने हेतु डांटते थे। दिनांक 5 अगस्त को वह स्कूल के लिए निकला पर स्कूल न जाकर कहीं और चला गया। उसने अपना बैग छत के रास्ते घर के पीछे फेंक दिया व घर से भाग गया। पुलिस द्वारा जांच पड़ताल से पता चला कि वह अपनी मौसी के घर दूसरे गांव चला गया था। बाल कल्याण पुलिस अधिकारी द्वारा बालक को लाया गया व बाल कल्याण समिति के सहयोग से परिवारजनों को सुपुर्द किया गया।

पुलिस अधीक्षक कन्नौज के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत आज दिनांक 4.08. 2018 को मुनीश पुत्र हनीफ निवासी रूद्रपुर थाना छिबरामऊ जनपद कन्नौज उम्र करीब 5 वर्ष समय करीब 1:00 बजे अपने ननिहाल बगिया मोहल्ला गुरसहायगंज से गायब हो गया था इस संबंध थाना गुरसहायगंज पुलिस द्वारा करीब 3:00 बजे नंगा पुरवा रोड से बरामद किया गया।बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया

चित्रकूट पुलिस

(1) अपहृता बरामद

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट के कुशल निर्देशन में गुमशुदा बालक/बालिकाओं की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत श्री संतशरण सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना मऊ के नेतृत्व में उ0नि0 श्री बृह्मदेव यादव थाना मऊ तथा उनकी टीम द्वारा मु0अ0सं0 133/18 धारा 363/366/504/506 भादवि0 की अपहृता को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

उल्लेखनीय है कि दिनांक-01.07.2018 को पीड़िता के पिता की तहरीर पर मु0अ0सं0 133/18 धारा 363/366/504/506 भादवि0 बनाम अभियुक्त (1) सोनी पासी पुत्र बुधई (2) बुधई पुत्र अज्ञात निवासीगण नौबस्ता मजरा भिटारी थाना मऊ जनपद चित्रकूट के विरूद्ध पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 श्री गुलाबचन्द्र मौर्या थाना मऊ द्वारा की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक थाना मऊ के कुशल नेतृत्व में पीड़िता की बरामदगी हेतु टीमें लगातार प्रयासरत थी, कि कल दिनांक15.07.2018 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

बरामदगी करने वाली टीम:-

1. उ0नि0 श्री बृह्मदेव यादव थाना मऊ 2. उ0नि0 श्री गुलाबचन्द्र मौर्या
3. आरक्षी मनोज यादव 4. महिला आरक्षी साफिया बानो

(2) 18 घण्टे के अन्दर अपहृता बरामद

पुलिस अधीक्षक चित्रकूट के कुशल निर्देशन में गुमशुदा बालक/बालिकाओं की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत श्री संतशरण सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना मऊ के नेतृत्व में उ0नि0 श्री बृह्मदेव यादव थाना मऊ तथा उनकी टीम द्वारा मु0अ0सं0 144/18 धारा 363/366 भादवि0 की अपहृता को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

उल्लेखनीय है कि दिनांक-14.07.2018 को पीड़िता के पिता की तहरीर पर मु0अ0सं0 144/18 धारा 363/366 भादवि0 बनाम अभियुक्त (1) बसंतलाल पुत्र देशराज (2) दयाराम पुत्र मिश्रीलाल (3) संदिग्ध अभियुक्त सुभाष उर्फ किर्री निवासीगण बराछी थाना मऊ पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 श्री शिवकुमार थाना मऊ द्वारा की जा रही थी। प्रभारी निरीक्षक थाना मऊ के कुशल नेतृत्व में पीड़िता की बरामदगी हेतु टीमें लगातार प्रयासरत थी, कि कल दिनांक 15.07.2018 को 18 घण्टे के अन्दर पीड़िता को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया।

बरामदगी करने वाली टीम:-

1.उ0नि0 श्री बृह्मदेव यादव थाना मऊ2.उ0नि0 श्री शिवकुमार
3.महिला आरक्षी कोमल सचान

(सोशल मीडिया कार्यालय, पुलिस अधीक्षक चित्रकूट)

28 45

आपरेशन मुस्कान के तहत 220 बच्चों को ढूंढ़ने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

नोएडा | वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा चलाए गए ऑपरेशन मुस्कान के तहत जनपद पुलिस ने अपने मां-बाप से बिछड़े करीब 220 बच्चों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया है। कई बच्चों को भीख मंगवाने वाले गैंग से बरामद किया गया है, जबकि कुछ युवतियों को देह व्यापार कराने वाले गैंग के चंगुल से छुड़ाया गया है। इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जिले के इंस्पेक्टर व दरोगाओं को शनिवार दोपहर सेक्टर-18 के एक होटल में सम्मानित किया गया।

अपने मां-बाप से बिछड़े बच्चों को ढूंढ़कर उन्हें उनके घर तक पहुंचाने के लिए जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह द्वारा ऑपरेशन मुस्कान चलाया गया है। इसके तहत एसएसपी ने 22 टीमें बनाकर दिल्ली, कलकत्ता, राजस्थान व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में छापेमारी करवाई। 220 बच्चों को बरामद किया गया, जिसमें लड़के व लड़कियां शामिल हैं। पुलिस के अनुसार कुछ बच्चे चाइल्ड केयर में रखे गए थे, जबकि कुछ युवतियों को दिल्ली व कलकत्ता के बदनाम गलियों से बरामद किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा गाजियाबाद में तैनाती के दौरान भी ऑपरेशन मुस्कान के तहत सैकड़ों बच्चों को बरामद किया गया था, जिसके लिए उन्हें भारत के गृहमंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा सम्मानित किया गया है। मानव तस्करी पर काम करने वाली देश की नामी संस्था सत्य वाहिनी ने पुलिस के जांबाज अफसरों व कर्मचारियों को सम्मानित किया।

कोतवाली मे मासूमो को माता-पिता से मिलवाते कोतवाल।

बिछड़े बच्चों को माता-पिता से मिलाया

तिर्वा। ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान दो मासूम बच्चे रोते मिले। पुलिस ने परिजनों को खोजकर मासूम बच्चों को माता-पिता से मिलाया। कोतवाल आमोद कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को पुलिस आपरेशन मुस्कान के तहत गश्त कर रही थी। उसी दौरान पुलिस को किसान इंटर कालेज के समीप दो मासूम बच्चे अपने माता-पिता से बिछड़ कर रोते मिले। पुलिस ने काफी देर तक बच्चों के माता-पिता को खोजती रही। जब वह नहीं मिले तो मासूमों को कोतवाली ले आई। जहां पर कोतवाल ने कस्बे में बच्चों के माता-पिता को खोजने के लिए लोगों को लगा दिया। काफी देर बाद पुलिस को बिछड़े बच्चों के माता-पिता मिले। पुलिस ने कोतवाली में मासूमों को उनके माता-पिता से मिलाया। कोतवाल आमोद कुमार ने बताया कि कालिकानगर निवासी जमालुद्दीन का पुत्र एयान व भतीजा अमान कस्बे में खो गए थे।

सोशल मीडिया ने बिछड़े मासूमों को मिलाया

संवाद सहयोगी, तिर्वा: सोशल मीडिया के जरिए पुलिस ने दो मासूमों को उनके परिजनों से मिला दिया। बच्चे मिलते ही पुलिस ने फोटो खींचकर वाट्सएप व फेसबुक पर पोस्ट कर दी। इससे उनके जानने वालों ने शिनाख्त कर ली और कमेंट कर शिनाख्त कराई। पुलिस ने जानकारी परिजनों को देकर कोतवाली बुलाया।

गुरुवार सुबह 10 बजे करीब यूपी-100 पर तिर्वागंज निवासी सुमित कुमार ने दो लावारिश बच्चे गली में घूमने की सूचना दी। पीआरवी जवानों ने पहुंचकर बच्चों को अपने साथ लिया और कोतवाली पुलिस को सौंप दिया। कोतवाली प्रभारी आमोद कुमार ने बच्चों से बातचीत की तो वह कोई जानकारी नहीं दे सके। इससे पुलिस ने दोनों की फोटो खींचकर वाट्सएप के सभी ग्रुप में भेजी और फेसबुक पर भी पोस्ट कर दिया। इस पर लोगों के कमेंट आने शुरू हो गए। ग्रुप में एक व्यक्ति ने बच्चों को पहचाना और परिजनों के बारे में जानकारी दे दी। इससे पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी और कोतवाली बुलाया। बच्चों को देखते ही परिजनों के आंसू छलक पड़े।